

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियत्य जज

नम्बर व तारीख  
 अहकाम जो इस हुक्म  
 की तामील में जारी हुए

09  
 3/200

22/09/2011

पत्रवली आठ पेश हुई। S.D.O. साह  
 अहकाम पर होने से पत्रवली  
 दिनांक 22/09/2011 को पेश हो

~~पेरी कार सरकार उपर।~~  
~~विगामी सं. 2 के वखील उपर~~  
~~पेरी कार सरकार व विगामी सं. 2~~  
~~के वखील की वकल दुनी गई~~  
~~जायी के द्वारा अस्तु न शरिना-100~~  
 संख्या 195/91 को दि. 20-12-1994  
 को स्वीकार कर मौला बालो तथा  
 के छ. सं. 665 रकबा 4 बीना 10  
 खिला अरु रकबा राज जोरित  
 कर, विगामी गज को देहाल करके  
 के आदेश पारित किये गये थे।  
 न्यायालय राजस्व कार्यालय उदियारी (कहरो  
 - जेहलकर) मु. जोधापुर के द्वारा कार्यालय  
 सं. 9/1999 अनवान श्रीमति सुदिशा देवी 116  
 राजस्थान सरकार में पारित दिनांक  
 22-08-2001 के द्वारा इस न्यायालय के

22/09/2011



न्यायालय अधिकारी

तारीख  
हुक्म

निर्णय दि. 13.07.1999 एवं पूर्व में पारित

जिर्णल दि. 20.12.1994 को अपास्त किया

जाकर उकरग पुनः सुनवाई हेतु सर्वशयक्य  
का अवसर देते हुए निकाल करके हेतु  
निर्देशित किया गया।

विशेषी सं. 2 को और से श्री कल्या राम

वकील ने जवाब पेश किया गया,

जवाब में कथन किया गया कि विशिष्टीक

के उक्त कर्म का उपयोग कभी भी अवाधीय

के रूप में नहीं किया। विशिष्टीक द्वारा

उक्त कर्म का कर्म कार्य हेतु कर्म

का उपयोग किया जाता रहा है।

दि. 6-12-1994 के अपास्तक में उक्त पखारी

ने स्पष्टित होकर कथान कथन हेतु कर्म

के पखारी के उक्त कथानों में भी उक्त

कर्म के अवसर के रूप में उपयोग हेतु

का कथन नहीं किया है। संख्या 2050-51

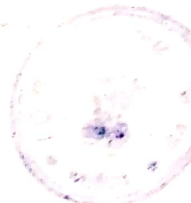
के निरदायरी के पखारी द्वारा यात्रा रज

नहीं करने के कारण उक्त कर्म कर्म

के न्यारों और पखार दिवारी कर देने का



(नरेश सोनी)  
उपखण्ड अधिकारी  
मालोतरा



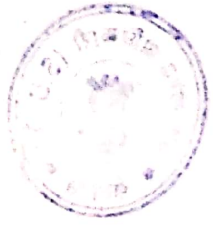
हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियत्य जज

भूमि पर उपयोग कवृषि नहीं माना जा सकता। किसानों को न्याय दीवारी क्षेत्र की सुरक्षा व सुधार के लिए बनाई की, पशुओं के क्षामा के लिए छपरा व पशुओं के पास चारा कान्ठ के लिए जड़ कम्पना बनाया था, जो कवृषि कार्य की परिभाषा के नहीं जाता है, पशुवारी हल्का द्वारा किये गये गलत इन्डोज के आधार पर किसानों की खपेदारी कवृषिकार समाप्त नहीं की जा सकती हैं। किसानों को खपेदारी द्वारा कार्रकारी कार्यों का कोई जंग नहीं किया गया है। इसलिये राजस्व कमील कवृषिकारी, न्यायालय द्वारा पुनः विभाजित किया गया है, किसानों के नाथ पुनः खपेदारी प्रभाव रूत कराने का



निवेदन किया गया।  
नियमित पञ्चदश जैरोकार सरकार  
निवेदन किया कि मोटे पर आंशिक मात्रा

(नरेश सोनी)  
उपखण्ड अधिकारी  
बालोतरा



तारीख  
हुक्म

पर पक्के मकान व चार दीवारी खानाकार  
 प्लान बनाये गये हैं। खासबा-गिरफ्तारी  
 संवत् 2050 से 2077 तक उक्त गड्डि  
 का कृषि प्रयोजन हेतु उपभोग नहीं किया  
 गया है। नजरी नक्शा के अनुसार  
 भौंडे पर दुकान, मकान, भण्डारण भवन,  
 चार दीवारी आदि पक्के निर्माण किये  
 गए हैं। कृषि कृषि का कृषि प्रयोजन  
 उपभोग से रहा है। विवादी गण द्वारा  
 कृषि प्रयोजन किसी प्रकार से नहीं किया  
 जा रहा है। विवादी गण के द्वारा  
 कृषि प्रयोजन के लिए उपभोग उपभोग  
 नहीं कराने के खातेदारी ठिकेदार  
 समाप्त कराने का प्रस्ताव प्रार्थना-पत्र  
 धारा 177 राजस्थान कायदाकारी अधिनियम  
 1955 के अन्तर्गत विधि समुच्चय प्रस्ताव  
 किया गया था। विवादी गण के द्वारा  
 कालोदरा ~~का~~ के ख. नं. 665 2 कठ  
 4-10 बीघा कृषि खातेदारी का ठिकेदार



(नरेश जीनी)  
 उपखण्ड अधिकारी  
 कालोदरा

उभोजनार्थ ही उपभोग व उपभोग किया  
गया है, जो राजस्थान खासतकारी अधि  
1955 की धारा 177 का स्पष्ट उल्लंघन  
होने से खासतकारी अधिकार समाप्त करवाने  
का निर्देश किया गया।

विवाहीगण के वकील ने माननीय  
राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर  
के द्वारा S B Civil रिट प्रिटीशन संख्या  
1042/2018 जनमान सुकराज म 5

उपखण्ड अधिकारी, बालोतरा में पारित  
निर्णय दिनांक 23-01-2018 के  
द्वारा उक्त प्रकल्प का मोहमे  
निरस्तार कराने के निर्देश प्रदान  
किये गये हैं, तथा न्यायालय

राजस्थान उच्च न्यायालय के द्वारा  
पारित निर्णय के अनुसार में

विवाहीगण के द्वारा विवाहित आराजी  
का कृषि उभोजनार्थ ही उपभोग  
मोके पर किया जाना बरखा गया,

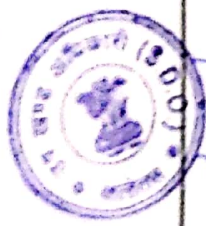


(नरेश सोनी)  
उपखण्ड अधिकारी

तारीख  
हुक्म

विश्राधीगण के द्वारा कंपनी का फेदारी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए चारदीवारी व छपरा व पक्का कमरा पशुओं का चराने व व्यास रखने हेतु निर्माण किया जाना बताया गया, विश्राधीगण ने कृषि प्रमोशनार्ड की कंपनी खातेदारी खर्च का उपभोग करना जाहिर कर ज़ाशी के कार्रदन पर के तहसी के कस्बीकार कर खातिन कराने का निवेदन किया गया।

हमने प्रयातली का गहनता के अवलोकन किया गया, खास कियलोकन पर स्पष्ट साबित है कि खसरा गिरदखारी नकले सेंकर 2050-2077 तक उक्त खातेदारी खर्च का कृषि प्रमोशनार्ड विश्राधीगण के द्वारा उपभोग नहीं किया गया है।



वर्किंग मोडे पर के कृषि प्रमोशनार्ड

(नसीब खान)  
उपसंचालक  
बसंतपुर

दुग्ध या कार्यवाही पत्र इतिहासपत्रक जल

पञ्चम व तारीख  
अवकाश जो इस दुग्ध  
की लाघोप में जारी हुए

दुग्ध, पकड़े आवासीय मकान, मछड़े  
समाज का अवन, व चार दीवारी  
मौदे पर निर्मित है। किवाचित्त  
आराजी का उपयोग व उपयोग कृषि  
कार्य से निम्न उपकृषि प्रयोजनार्थ  
मौदे पर, किचा जाना स्पष्ट रूप  
से प्रमाणित है। किचाईगण के  
द्वारा राजस्थान सरकारकारी अधिनियम  
1955 की धारा 177 का उल्लंघन  
करने प्रार्थी के द्वारा प्रस्तुत  
प्रार्थना-पत्र के स्वीकार कर  
मौजा बालोतरा के खेत अक्षरानुसार  
665 एकड़ 4 बीघा 10 बिस्वा के निम्न  
आराजी में किचाईगण के छोटेदारी  
अधिकार को समाप्त कर एकड़  
राज बिला कब्जा राजस्थान राज्य  
के नाम घोषित किचा जाया है।  
उक्त किवाचित्त आराजी से किचाईगण



(सुरेश शर्मा)  
उपखण्ड अधिकारी  
बालोतरा

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

तारीख हुक्म

~~को केवल कर कडा रहे व राजस्थान राज्य के यह है प्राय करने हेतु तहसीलदार पंचपदरा को निर्देशित किया जाता है। तहसीलदार राजस्व रेकर्ड में इजाजत नामक किया जाने~~



(नरेश सोनी)  
उपखण्ड अधिकारी  
बालोतरा

निर्दिष्ट आज दिनांक 22-09-2021 को खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली केवल सुनाए होकर नम्बर से कम है।

(नरेश सोनी)  
उपखण्ड अधिकारी  
बालोतरा

प्रति प्राप्त है  
24/9/2021  
मजारा 19, 9-20  
तहसील पंचपदरा